Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 27 , 17 अक्टुबर, मंगलवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

जूता कारोबारी से 72 किलो पटाखे बरामद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की पाबंदी के बाद पटाखों की बिक्री करने वाले कारोबारियों पर पुलिस की कारवाई जारी है। पूर्वी जिला पुलिस ने शनिवार को मंडावली में एक जूता कारोबारी के घर से लगभग 72 किलो पटाखा जब्त किया है। केस दर्ज कर पुलिस ने कारोबारी मनमोहन को गिरफ्तार कर लिया है। कारोबारी ने अपने बचाव में पुलिस को बताया कि उसने पटाखों की बिक्री के लिए अस्थाई लाइसेंस लिया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की पाबंदी के बाद खरीद-फरोख्त पर रोक लगा दी गई। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक शनिवार को यह जानकारी मिली थी कि मंडावली के सेंट्रल मार्केट मेन रोड में जूता कारोबारी मनमोहन जूते बेचने की आड़ में पटाखे बेच रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने कारोबारी की दुकान पर छापेमारी कर भारी मात्रा में पटाखा जब्त किया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि दीपावली पर पटाखे बेचने के लिए उसने अस्थायी लाइसेंस लिया था। लाईसेस मिलने पर उसने पटाखे खरीदे थे और सुप्रीम कोर्ट की पाबंदी के बाद भी वह पटाखे बेचता रहा।

शत्रु का वार: कहा-गुरदासपुर लोकसभा उप चुनाव में इसलिए मिली हार

नई दिल्ली। भाजपा सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने पंजाब के गुरदासपुर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजों में पार्टी को मिली करारी हार पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्वीटर पर कांग्रेस को जीत की बधाई देते हुए पार्टी पर तंज कसते हुए एक के बाद एक छह ट्वीट किए हैं। भाजपा सांसद ने ट्वीट करते हुए कहा है कि जैसी उम्मीद थी, गुरदासपुर उपचुनाव में पार्टी को करीब दो लाख वोटों के अंतर से अपमानजनक हार मिली। उन्होंने ट्वीट पर लिखा कि उन्हें पहले से हार की उम्मीद थी क्योंकि लोकप्रिय और महान स्वर्गीय विनोद खन्ना के करीबी को उप चुनाव का टिकट नहीं दिया गया। गुरदासपुर की संसदीय सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार ने भाजपा के उम्मीदवार को दो लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया। आपको बात दें कि भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद खन्ना के निधन के कारण ये सीट खाली हुई थी।

ट्रेन की चपेट में आकर एएसआई की मौत

सास का हालचाल पूछने ससुराल जा रहा था एएसआई

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के सब्जी मंडी थाना इलाके में दिल्ली पुलिस के एक एएसआई की रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। मृत एएसआई की पहचान न्यू पुलिस लाइन निवासी ओम प्रकाश (54) के रूप में हुई । मृत पुलिसकर्मी मूलरूप से पंजाब का रहने वाला था और हादसे के वक्त वह अपने ससुराल जा रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया है मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक ओम प्रकाश 1982 में दिल्ली पुलिस में बतौर कांस्टेबल भर्ती हुए थे और कई साल की नौकरी में पदोन्नति पाकर बतौर एएसआई राजेन्द्र नगर थाना इलाके में पीसीआर में तैनात थे। उनका ससुराल दिल्ली के प्रताप नगर इलाके में है। उनकी सास की काफी दिन से तबीयत खराब थी। शनिवार शाम साढ़े चार बजे वह अपनी सास का हालचाल जानने के लिए ससुराल जा रहे थे। रास्ते में सब्जी मंडी स्थित रेलवे लाइन पार करते समय तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

पिस्टल के बल पर साढ़े छह लाख रपए लूटे

नई दिल्ली। फर्श बाजार थाना इलाके में हथियार बंद बाइक सवार बदमाश एक शख्स से पिस्टल के बाल पर साढ़े छह लाख रु पए लूटकर फरार हो गए। पीड़ित की पहचान मंडोली निवासी रामनेन (45) के रूप में की गई है। पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। पुलिस के मुताबिक रामनेन मंडोली स्थित सुधीर चौधरी नामक शख्स की कम्पनी ने कार्यरत है। शनिवार को उसके मालिक ने उसे विास नगर से 7 लाख रु पए का कलेक्शन कर लाने के लिए कहा था। रामनेन अपनी स्कूटी से विास नगर गया और सतपाल भूटानी से प्राप्त साढ़े छह लाख रपए का भुगतान बैग में रखकर मंडोली लौट रहा था। बीच रास्ते में बाइक सवार दो युवकों ने पता पूछने के इरादे से उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन रामनेन को उनकी मंशा पर शक हुआ और उसने स्कूटी पास ही किसी परिचित की फैक्टरी के सामने रोक दी,

कांग्रेस में फेरबदलः

राहुल गांधी दिवाली के बाद अध्यक्ष का नामांकन करेंगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव का कार्यक्रम जल्द घोषित कर दिया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाकर कार्यक्रम को अंतिम स्वरूप देंगी। कांग्रेस चुनाव की जिम्मेदारी संभाल रहे केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण का कहना है कि कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के अध्यक्ष चुने जाने की प्रक्रिया 30 अक्तूबर तक पूरी हो जाएगी।

पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मुल्लापल्ली रामचंद्रन ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को अध्यक्ष पद के चुनाव का संभावित कार्यक्रम सौंप दिया है। वह चाहते हैं कि 30 अक्तूबर तक चुनाव की प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाए। हालांकि, उन्होंने कहा कि सीडब्लूसी इस कार्यक्रम में बदलाव कर सकती है। कांग्रेस संविधान के मुताबिक, अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी होने के बाद नामांकन के लिए सात दिन का वक्त दिया जाएगा। इसके बाद एक दिन नाम वापसी के लिए दिया जाएगा।

चुनाव प्राधिकरण के एक सदस्य ने कहा कि यदि अध्यक्ष पद के लिए सिर्फ एक नामांकन दाखिल किया जाता है, तो भी निर्विरोध चुने जाने की औपचारिक घोषणा नाम वापस लेने का वक्त खत्म होने के बाद ही की जाएगी। पार्टी की अधिकतर प्रदेश कांग्रेस कमेटियों ने प्रदेश अध्यक्ष, कार्यकारणी और एआईसीसी के सदस्यों के चयन का अधिकार पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को सौंप दिया है। चुनाव प्राधिकरण के एक सदस्य ने कहा कि केरल को छोड़कर सभी प्रदेशों ने प्रस्ताव भेज दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस समिति (पीसीसी) के सदस्यों को सूचीबद्ध किया जा रहा है। एक-दो दिन में पीसीसी सदस्यों के नाम पर भी सार्वजनिक कर दिए जाएंगे। अध्यक्ष पद के चुनाव में पीसीसी सदस्य ही मतदाता मंडल में शामिल होते हैं।

मोइली कर्नाटक कांग्रेस की घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष बने

कांग्रेस ने सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री एम वीरप्पा मोइली को कर्नाटक कांग्रेस घोषणापत्र समिति का अध्यक्ष और बीएल शंकर को उपाध्यक्ष बनाया है। इस समिति के गठन को पार्टी उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने मंजूरी दे दी है। इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री मार्गरेट अल्वा समेत 33 सदस्य होंगे। कनार्टक में 2018 के मध्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य की 224 सदस्यीय मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 28 मई 2018 में समाप्त हो रहा है। सत्तारूढ़ कांग्रेस जहां

कर्नाटक में अपनी सफलता को दोहराने के प्रयासों में जुटी है, वहीं भाजपा उससे चुनाव में सत्ता छीनने के प्रयासों में लगी है। राहुल ने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस की कार्यसमिति को भी मंजूरी दे दी है इसमें 94 सदस्य होंगे। इसमें मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्रियों, एआईसीसी के पदाधिकारियों, राज्य के पार्टी सांसदों और अन्य नेताओं को सदस्य बनाया गया है।

दिवाली से पहले थोक महंगाई दर में कमी; फिर भी प्याज, अंडा और मीट हुआ महंगा

नई दिल्ली। दिवाली से पहले आर्थिक मोर्चे पर केंद्र सरकार की ओर से राहत की खबर आई है। सितंबर 2017 में थोक महंगाई दर घटकर 2.60 फीसदी पर आ गई। अगस्त में यह 3.24 ीसदी पर थी, जो कि चार माह के सबसे ऊंचे स्तर पर था। सितंबर महीने में सब्जियों के दाम 15.48 पर पहुंच गए हैं। अगस्त में ये 44.91 के स्तर पर था। थोक महंगाई में लगातार दो माह की तेजी के बाद पहली गिरावट दर्ज की गयी है। अगस्त में यह चार महीने के उच्चतम स्तर 3.24 प्रतिशत पर रही थी। इससे पहले जुलाई में यह 1.88 प्रतिशत रही थी। पिछले साल सितंबर में थोक महंगाई दर 1.36 प्रतिशत दर्ज की गयी थी। सरकार द्वारा आज यहां जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल सितंबर की तुलना में इस साल सितंबर में खाद्य पदार्थों के दाम 2.04 प्रतिशत की मामूली दर से बढ़े हैं। इस श्रेणी में महंगाई दर कम रहने का मुख्य कारण दालों के दाम एक साल पहले की तुलना में 24.26 प्रतिशत और आलू के 46.52 प्रतिशत घटना रहा है। गेहूँ की कीमतों में 1.71 प्रतिशत और मोटे अनाजों में 0.07 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी।

सब्जियों के दाम घटने का मिला फायदा

सितंबर में थोक महंगाई दर कम होने में सब्जियों के दाम में आई कमी ने सहारा दिया है। महीने दर महीने आधार पर सितंबर में खाने पीने की चीजों की थोक महंगाई दर 1.99 पर आ गई है। इससे पहले महीने यह 4.41 फीसदी पर थी। सितंबर 2017 में फूड आर्टिल्स की थोक महंगाई दर गिरकर 2.04 फीसदी रह गई, जो अगस्त में 5.75 फीसदी थी। थोक महंगाई दर में फूड इन्फ्लेशन की हिस्सेदारी 15.26 फीसदी है। सितंबर में सब्जियों के दाम गिरे हैं। सब्जियों की थोक महंगाई गिरकर 15.48 फीसदी रह गई, जो अगस्त में 44.91 फीसदी पर थी। फलों की थोक महंगाई भी पिछले महीने गिरकर 2.93 फीसदी पर आ गई जो अगस्त में 7.35 फीसदी थी।

प्याज, अंडा, मीट हुआ महंगा

हालांकि प्याज के दामों में सितंबर में राहत नहीं दिखी। सितंबर महीने में प्याज के दाम 79.78 फीसदी के स्तर पर पहुंच गए। वहीं, अंडे, मीट और मछलियों के दाम 5.47 फीसदी के स्तर पर रहे। अंडा,मीट,मछली के दाम बढ़े सितंबर में प्रोटीन प्रोडक्ट्स अंडा, मीट और मछली की थोक महंगाई बढ़ी है। सितंबर में इसकी महंगाई दर 5.47 फीसदी रही, जो अगस्त में 3.93 फीसदी थी। मिनरल्स की महंगाई में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले महीने मिनरल्स की थोक महंगाई दर -7.73 फीसदी दर्ज की गई, जून में यह आंकड़ा 24.84 फीसदी पर था। आलू, दाल और गेहूं की थोक महंगाई सितंबर में भी शून्य से नीचे बनी रही। यह क्रमशः -46.52 फीसदी, -24.26 और -1.71 फीसदी दर्ज की गई।

ईंधन के मोर्चे पर भी मिली राहत

ईंधन और पावर सेक्टर की बात करें, तो यहां भी महंगाई से राहत मिली है। सितंबर महीने में इस सेक्टर के लिए महंगाई 9.01 फीसदी पर रही। अगस्त में यह 9.99 फीसदी थी। पेट्रोल के थोक दाम गिरे लेकिन एलपीजी के बढ़ें हैं। पेट्रोल की महंगाई अगस्त के 24.55 फीसदी के मुकाबले सितंबर में 15.79 फीसदी रही। वहीं, एलपीजी की महंगाई अगस्त के 5.33 फीसदी की तुलना में सितंबर में बढ़कर 20.75 फीसदी हो गई है।

दाल की कीमतों में कमी

वहीं दलहन के दाम सितंबर में 24.26त्र नीचे आए। आलू की कीमतों में 46.52त्र तथा गेहूं में 1.71% की गिरावट दर्ज की गई। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नहीं मिली राहत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए थोक महंगाई के मोर्चे पर राहत नहीं मिली है। सितंबर में मैन्यूफैक्क्रिंग सेक्टर की थोक महंगाई दर 2.45 फीसदी से बढ़कर 2.72 हो गई है। अगस्त में चार महीने के उच्च स्तर पर पहुंची थी दर थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अगस्त में चार महीने के उच्चस्तर 3.24% पर पहुंच गई थी। ।

पाक पर वारः नायडू बोले,

आतंकवादियों को सहायता देना पड़ोसी देश की नीति

नयी दिल्ली मानेसर। उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने सोमवार को पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि वह सीमा पार आतंकवाद को एक नीति के रूप में बढ़ावा दे रहा है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस तरह की नीति अपनाने वाले देशों को अलग-थलग कर देना चाहिए।

उप राष्ट्रपति ने हरियाणा के मानेसर में राष्ट्रीय सुरक्षा गारद के 33 वें स्थापना दिवस पर अपने संबोधन में कहा, 'हमारे पड़ोसी ने आतंकवादियों को सहायता, धन मुहैया कराने और प्रशिक्षण देने को अपनी नीति बना लिया है।' उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस समस्या से निपटने के लिए एकजुट हो जाए।

आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता

नायडू ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता तथा न ही वह सीमाओं से बंधा है और किसी को भी विचारधारा के नाम पर हिंसा की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियानों में पुख्ता खुफिया जानकारी की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि इस तरह की सूचनाएं गोला बारूद तथा हथियारों पर भी भारी पड़ती हैं। उन्होंने कहा, 'पारदर्शिता तथा जवाबदेही जरूरी है। कई बार पुखता

जानकारी हथियार और गोला बारूद पर भी भारी पड़ती है।'

एनएसजी कमाडों ने रोक कई आतंकी हमले

देश की सुरक्षा में सराहनीय योगदान के लिए एनएसजी की प्रशंसा करते हुए नायडू ने कहा कि पिछले तीन दशक से भी अधिक समय से बल के कमांडो आतंकवादी हमलों तथा विमान अपहरण जैसी घटनाओं से बखूबी निपट रहे हैं। अक्षरधाम मंदिर पर हमले, मुंबई आतंकवादी हमले तथा पठानकोट पर आतंकवादियों के हमले के दौरान एनएसजी कमांडों की कार्रवाई को देश कभी नहीं भुला सकता।

आतंकवाद से निपटने के लिए नई रणनीति की जरूरत

उन्होंने कहा कि आतंकवाद की चुनौती बहुत बड़ी है और इससे निपटने के लिए सुरक्षा बलों को अपनी रणनीति और तौर तरीकों को नयी धार देनी होगी। राज्य पुलिस बलों को भी मजबूत बनाये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि एनएसजी पुलिस बलों को प्रशिक्षण देकर इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नायडू ने इस मौके पर एनएसजी का पोस्टल कवर भी जारी किया ।

करोड़ों की कीमत वाले सांपों के साथ खीरी से तीन गिरफ्तार

लखीमपुरखीरी। उत्तर प्रदेश के खीरी जिले की धौरहरा पुलिस ने दुर्लभ दोमुंहा सांप के तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक दुर्लभ दो मुंहा सांप बरामद किया है। पुलिस की स्पेशल टीम ने छापेमारी कर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक बरामद दोमुंहा सांप को सेंटबोआ सांप भी कहा जाता है। एक अनुमान के मुताबिक अंतर्राष्ट्रीय तस्करी बाजार में इस सांप की कीमत करोड़ों में होती है। गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि वे इस सांप को नेपाल बेचने ले जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक इस सांप का वजन लगभग डेढ़ किलो है। इस सांप की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 3 से 25 करोड़ रुपये है। गिरफ्तार सांप के तस्करों ने बचाया कि वे 8 लाख रुपये में इस सांप को नेपाल बेचने जा रहे थे। बहराइच के जंगलों में सांप की ये दुर्लभ प्रजाति पायी जाती है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने सीबीआई को लगाई डांट,

नजीब मामलाः

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के लापता छात्र नजीब अहमद के मामले आज दिल्ली हाई कोर्ट ने आज सीबीआई को डांट लगाई। कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि इस गंभीर मामले की जांच के दौरान सीबीआई ने कम दिलचस्पी दिखाई और वो किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। गौरतलब है कि मामले की जांच पांच महीने पहले CBI को सौंपी गई थी।

एम. एससी बायोटेक्नोलॉजी का छात्र नजीब (27) जेएनयू के माही-मांडवी छात्रावास से 15 अक्तूबर, 2016 को लापता हो गया था। घटना से एक रात पहले नजीब की संघ परिवार से जुड़े छात्र संघ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के छात्रों के साथ झड़प हुई थी। न्यायमूर्ति जी. एस. सिस्तानी और न्यायमूर्ति चन्द्रशेखर की पीठ ने दलीलों के दौरान कहा कि सीबीआई द्वारा मौखिक रूप से दी गई जानकारी और सौंपी गई स्थिति रिपोर्ट में विरोधाभास से वह बहुत नाखुश हैं। यह विरोधाभास मामले में संदिग्ध छात्रों के फोन कॉल और संदेश के विश्लेषण के आधार पर सीबीआई द्वारा दी गई स्थिति रिपोर्ट में है। जब अदालत को बताया गया कि स्थिति रिपोर्ट सीबीआई के निरीक्षक द्वारा तैयार की गई थी तब पीठ ने कहा कि जांच की जिम्मेदारी एजेंसी को सौंपने वाले 16 मई के उसके आदेश के अनुसार, न्यूनतम डीआईजी रैंक के अधिकारी को जांच की निगरानी करनी थी। अदालत ने कहा, 'यह कैसी निगरानी है? अगर यह डीआईजी की निगरानी है तो बिना निगरानी के क्या होगा? उन्हें शायद (कार्यालय में) रिपोर्ट पढ़ने का भी वक्त नहीं मिला। उन्हें यहां आकर, इसे पढ़ने दें। पीठ ने कहा कि सीबीआई की स्थिति रिपोर्ट में कुछ नहीं है। दिल्ली पुलिस की रिपोर्ट में काफी कुछ था। हमारा कहना है कि इसमें सीबीआई की दिलचस्पी का पूर्ण अभाव रहा है। दोनों ओर से कोई परिणाम नहीं है। कागज पर भी कोई परिणाम नहीं है।'

पीठ ने कहा कि सीबीआई अपने कामकाज के कारण ही ऐसी बातें सुन रही है। पीठ ने जांच एजेंसी से कहा है कि वह नजीब के लापता होने के संबंध में नौ संदिग्ध छात्रों के कॉल डेटा विश्लेषण के जरिए क्या पता चला है इसकी रिपोर्ट उसे सौंपे।

बता दें कि सीबीआई ने अपनी स्थिति रिपोर्ट में कहा है कि संदिग्धों के फोन कॉल और संदेशों का विश्लेषण किया जा रहा है जबकि अपनी मौखिक दलील में कहा था कि सभी रिकॉर्ड का विश्लेषण पूरा हो चुका है। जांच एजेंसी की बातों में इसी विरोधाभास को लेकर अदालत बहुत नाराज है। अदालत ने इसपर नाराजगी जाहिर करते हुए पूछा, 'फिर आपने बताया क्यों नहीं कि विश्लेषण में क्या मिला है।' पीठ ने सीबीआई को चेताया कि वह एजेंसी के डीआईजी को अदालत में पेश होने को कहेगी। गौरतलब है कि अदालत लापता छात्र नजीब की मां फातिमा नफीस की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। फातिमा ने अदालत से अनुरोध किया है

कि वह जेएनयू के माही-मांडवी छात्रावास से 15 अक्तूबर, 2016 को लापता बेटे का पता लगाने के लिए आदेश जारी करे।

आधी-अधूरी जांच का हासिल! जो मनुष्य दूसरों के व्यवहार से ऊबकर क्षण-प्रतिक्षण अपने मन बदलते रहते हैं, वे दुर्बल हैं। उनमें आत्मबल नहीं है -सुभाष चंद्र बोस

गौरवमयी इतिहास

पटना विविद्यालय (पीयू) के शताब्दी वर्ष समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विविद्यालयों के बीच बेहतर होने की प्रतिस्पर्धा भाव पैदा करने और उन्हें विश्वस्तरीय बनाने का जो आह्वान किया उसका स्वागत किया जाना चाहिए। पटना विविद्यालय का गौरवमयी इतिहास रहा है, जिसे प्रधानमंत्री ने खुद स्वीकारा। लेकिन यह भी सच है कि पटना सहित ऐसे अनेक विविद्यालयों, जिनका इतिहास गौरवमयी रहा है और आज भी वे अच्छा काम कर रहे हैं, में से कोई भी विश्वस्तरीय सूची में शामिल नहीं हो पाते। आखिर इसका कारण क्या है कि फोर्ब्स पत्रिका हर वर्ष जिन 500 विविद्यालयों की सूची प्रकाशित करती है, उसमें भारत कहीं नहीं होता ? यह एक विचारणीय विषय है और प्रधानमंत्री ने ध्यान दिलाकर उस ओर बढ़ने का आह्वान कर दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पीयू को केंद्रीय विविद्यालय का दर्जा देने की अपील की थी। प्रधानमंत्री ऐसा कर सकते थे। किंतु उन्होंने यह कहकर कि अब इससे आगे सोचने का समय आ गया है पूरे देश को नई दिशा में विचार करने को प्रेरित किया है। किंतु विश्व के सर्वश्रेष्ठ विविद्यालयों में शामिल होने के लिए क्या कुछ करना होगा, यह ज्यादा अहम है ? सबसे पहले तो यह स्वीकार करना होगा कि हमारे ज्यादातर विविद्यालय घिसी-पिटी शिक्षा देने के माध्यम बनकर रह गए हैं। छात्रों को नई दिशा में सोचने की प्रेरणा देने, उन्हें आविष्कार करने योग्य बनाने और उसके अनुरूप अपना आधारभूत ढांचा विकसित करने का माद्दा ज्यादातर विविद्यालय खो चुके हैं। इसलिए प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी विश्विद्यालयों को विश्वस्तरीय बनने के लिए प्रतिस्पर्धा करनी होगी। वस्तुतः केंद्र सरकार की एक योजना है, जिसके तहत व्यावसायिक रूप से सफल 20 चयनित (10 सरकारी और 10 निजी क्षेत्र के) विविद्यालयों को अगले पांच वर्षों में 10 हजार करोड़ रु पये दिए जाएंगे। पीयू के समारोह से इस आह्वान के साथ उम्मीद करनी चाहिए कि अनेक विविद्यालय इस योजना का लाभ लेने के लिए आगे आएंगे एवं वे भविष्य में विश्वस्तरीय होने का गौरव भी पा सकेंगे। हालांकि ऐसा करते समय हमें यह भी सोचना होगा कि भारत की जो अपनी मौलिक शिक्षा संबंधी सोच एवं इस पर आधारित पद्धाली रही है, उसे भी विश्व के सामने रखें। केवल विश्व का अनुकरण करने की जगह विश्व को कुछ देने लायक भी बनने का विचार हमारे अंदर इस प्रतिस्पर्धा द्वारा पैदा होना चाहिए।

''न्यू इंडिया'

राज्यपालों के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन एवं समापन दोनों अवसरों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो कुछ कहा है उस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। उद्घाटन सत्र में उनका जोर इस बात पर था कि राज्यपाल संविधान की पवित्रता को बरकरार रखते हुए समाज में बदलाव के वाहक बनें। उनका यह भी कहना था कि राज्यपाल ''न्यू इंडिया' के संकल्प को जनांदोलन का स्वरूप प्रदान करने के लिए छात्रों एवं शिक्षकों को जोड़ सकते हैं। राज्यपालों के संदर्भ में पहली भूमिका को लेकर भी समय-समय पर विवाद उभरते रहे हैं और दूसरी भूमिका के बारे में तो राज्यपाल शायद सोचते भी नहीं हैं। वे मानकर चलते हैं कि यह सब काम केवल निर्वाचित सरकारों और उसके माहतह काम करने वाले सरकारी कर्मियों का ही है। हालांकि 2022 तक ''न्यू इंडिया' के लक्ष्य हासिल करने के लिए राज्यपालों को छात्रों और शिक्षकों से संवाद कर इसे एक जनांदोलन बनाने में भूमिका निभाने की उनकी अपील पर कितना अमल होगा यह देखना होगा। लेकिन समापन सत्र में उन्होंने यह कहकर पि से सुशासन की बहस को छेड़ा है कि जिन राज्यों में सुशासन है वे बेहतर कर रहे हैं और जहां सुशासन नहीं है वे राज्य पिछड़े हैं। वास्तव में यह बात सच है कि भारत में विचारों, संसाधनों और क्षमताओं की कमी नहीं है लेकिन सुशासन के अभाव में इनका उपयोग ठीक प्रकार से नहीं हो सकता एवं वे राज्य हर दृष्टि से पिछड़े रह जाते हैं। यानी आपके पास सारे संसाधन हों मगर शासन ठीक नहीं हो, वह संकल्पित होकर विचारों और साधनों का उपयोग करने की योजना पर काम नहीं करे तो सब बेकार। यह देखा गया है कि जिन प्रदेशों की सरकारें सजग और सक्रिय हैं वहां सरकारी योजनाएं ठीक प्रकार से लागू होती हैं और वे राज्य बेहतर स्थिति में हैं। जाहिर है, प्रधानमंत्री राज्यपालों से यह कह रहे थे कि आप भी ''हाथ-पर-हाथ धरे' बैठे न रहिए। यानी आप राजनीति न करिए लेकिन भारत को ऊंचाई तक पहुंचाने में आपकी भी भूमिका होनी चाहिए और आप जिस राज्य में हैं वहीं यह भूमिका निभाइए। बात ठीक भी है। राज्यपाल केवल राजभवनों की शोभा के लिए तो हैं नहीं। देश के लिए जितना काम वे कर सकते हैं अपने संबंधित राज्य में उतना तो उन्हें करना ही चाहिए।

सत्संग

साधना

भारतीय जीवन-दर्शन में उत्सव और पवरे का विशेष महत्त्व है। उत्सव हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं। बाकायदा यह कहना उचित होगा कि हम अपने प्रत्येक कर्म को उत्सव के माध्यम से ही अभिव्यक्त करते हैं। उत्सव से उत्साह है और उत्साह में ही जीवन का मर्म छिपा है। इसी तरह कार्तिक मास में अमावस्या के दिन दीपोत्सव मनाने की परंपरा है। हमारे सभी त्योहारों में दीपोत्सव का सामाजिक और धार्मिक दोनों ही दृष्टि से अत्यधिक मत्त्व है। दीपोत्सव में सभी घरों में दीये जलाए जाते हैं, जिससे कार्तिक माह की घनघोर अमावस्या को रात दीयों की रोशनी से जगमगा उठती है। इस तरह इन दीयों से निकलने वाला प्रकाश समूचे विश्व में शांति व भाईचारे का संदेश देता है। दीपोत्सव अंधकार पर प्रकाश की विजय का दिन है। यानी दीपोत्सव हमें अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाने का पर्व है। हमारा अटूट विास है कि सत्य हमेशा असत्य पर भारी होता है और अंत में सत्य की ही जीत होती है। भगवत गीता में कहा गया है कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं और अंत में सत्य की ही जीत होती है। जब चौदह वर्षों के वनवास और रावण का वध करके भगवान श्रीराम अपनी पत्नी और भाई लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे, तो उनके स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीये जलाए और तभी से हम प्रत्येक वर्ष हर्ष और उल्लास के साथ दीपोत्सव मनाते हैं। चौदह वर्ष तक वन में भटकने और तरह-तरह के कष्ट भोगने वाले श्रीराम के हाथों रावण का वध असत्य पर सत्य की जीत है। दरअसल, दीपोत्सव मनाने का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक मनुष्य के मन में ज्ञान के प्रकाश को प्रज्वलित करना है, ताकि हर चेहरे पर मुस्कान आ सके और सभी मनुष्यों के जीवन में सुख-शांति स्थापित हो सके। मनुष्य के जीवन में अनेक स्तर होते हैं और जैसे-जैसे इन सभी स्तरों पर ज्ञान का प्रकाश पड़ता है, तो मनुष्य के जीवन से अंधकार मिटता चला जाता है। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि हमें अपने जीवन के हर स्तर को प्रकाशमयी बनाना चाहिए, क्योंकि यदि एक भी स्तर अंधकारमय रहेगा, तब तक हम अपने जीवन को संपूर्णता के साथ व्यक्त नहीं कर पाएंगे। दीपोत्सव में दीयों को पंक्ति में रखकर जलाया जाता है, इसका मतलब यही है कि हमारे जीवन का प्रत्येक स्तर प्रकाशमयी हो जाए। अंधकार को प्रकाश ही मिटाता है और जीवन के अंधकार को ज्ञान के प्रकाश से ही मिटाया जा सकता है।

नुपुर तलवार की रिहाई का फैसला

पोस्टमार्टम की रिपोर्ट्स बदली गई और फोरेंसिक विभागों के अधिकारियों पर दबाव डाले गए। टीवी चैनलों ने भारत की प्रमुख जांच एजेंसी की अक्षमता और अदक्षता को लेकर खासा शोरगुल मचाया। अब इलाहाबाद उच्च न्यायालय का आरुषि-हेमराज दोहरे हत्याकांड का फैसला आया है। जस्टिस बीके नारायण और एके मिश्र ने भ्रष्टाचार-निरोधक सीबीआईअदालत, गाजियाबाद के अतिरिक्त सत्र/विशेष न्यायाधीश एस लाल के फैसले को खारिज किया।

सतीश पेडणोकर

सुनंदा पुष्कर (नौकरशाह से राजनेता बने शशि थरूर की पत्नी) के हत्यारों का पता नहीं चल पाने के सदमे से देश अभी उबर भी नहीं पाया था कि आरुषि तलवार और हेमराज के दोहरे हत्याकांड से उसका सामना हो गया। ऐसा हत्याकांड जिसकी तफ्तीश आधी-अधूरी हुई। न अपराध स्थल को सील किया गया और न ही कमरे की वस्तुओं की जब्ती की गई। इन हत्याओं के कारण अभी भी अज्ञात हैं। कभी आत्महत्या माना गया तो कभी हत्या।

पोस्टमार्टम की रिपोर्ट्स बदली गई और फोरेंसिक विभागों के अधिकारियों पर दबाव डाले गए। टीवी चैनलों ने भारत की प्रमुख जांच एजेंसी की अक्षमता और अदक्षता को लेकर खासा शोरगुल मचाया। अब इलाहाबाद उच्च न्यायालय का आरुषि-हेमराज दोहरे हत्याकांड का फैसला आया है। जस्टिस बीके नारायण और एके मिश्र ने भ्रष्टाचार-निरोधक सीबीआई अदालत, गाजियाबाद के अतिरिक्त सत्र/विशेष न्यायाधीश एस लाल के फैसले को खारिज करते हुए डॉ. नुपुर तलवार और डॉ. राजेश तलवार को संदेह का लाभ देते हुए मामले से बरी कर दिया।

उच्च न्यायालय ने कहा कि उनके खिलाफ परिस्थितिजन्य सबूत भले हों लेकिन जांच एजेंसियां उनके अपराध में लिप्त होने का ठोस प्रमाण पेश नहीं कर सकीं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने राजेश और नुपुर तलवार की रिहाई का फैसला सुनाते हुए सही ही कहा है : ट्रायल जज ने अपने तरीके से गलत अनुमानों से भरे तर्कों पर कहानी खड़ी कर ली और किसी फिल्म निर्देशक की तरह काम किया। खुद की भावनाओं के अनुरूप तर्यों और साक्ष्यों का परीक्षण किया। पूरे घटनाक्रम पर खुद अपनी कल्पना से परिस्थितियों का दायरा बना लिया और इसी नजरिये से फैसला भी सुनाया। कुछ ने तलवार दंपति की रिहाईको खुशी का अवसर बताया है। इसलिए कि तलवार दंपति के साथन्याय हुआ है। दूसरी ओर, ऐसे लोग भी हैं, जिन्हें उच्च न्यायालय का फैसला जंचा नहीं, क्योंकि वे मानते हैं कि राजेश और नुपुर तलवार ने अपनी बेटी को अपने नौकर हेमराज के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखने पर उसकी हत्या कर दी। कोई भी तर्क मानें, लेकिन यह न्याय का मजाक ही है कि समूचे देश को स्तब्धकर देने वाले इस दोहरे हत्याकांड के वास्तविक अपराधी खुले घूम रहे हैं।

आरुषि के साथ वास्तविक न्याय तभी होगा जब सीबीआईऔर पुलिस हत्यारे को दबोच कर सींखचों के पीछे डाल दें। अगर तलवार दंपति निदरेष थे तो उन्हें ट्रायल कोर्ट द्वारा दोष सिद्ध किए जाने के बाद 2013 से ही जेल में क्यों रहना पड़ा ? इतने वर्षों तक जेल में कलंकित, एकाकी और कैदी जीवन भोगने की भरपाईकौन करेगा ? दूसरी ओर, यदि दोषी थे तो पर्याप्त प्रमाण के अभाव में उन्हें रिहा किया गया..न्याय कहां हुआ। यह समूचा घटनाक्रम सार्वजनिक रूप से घटा, जिससे जांच एजेंसी की विश्वसनीयता पर बड़ा सवालिया निशान लगता है। या तो जांच एजेंसी बेहद लापरवाही बरतती दिखी या फिर जान-बूझ कर किसी की शै पर पूरे मामले को दबाती-छुपाती दिखी। बहरहाल, कारण कुछ भी रहा हो लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जांच ढेंगुआ और पूरी तरह से नाकाम साबित हुई और यह इस बात की नसीहत है कि जांच के दौरान कौन-सी चूक या नादानी नहीं की जानी चाहिए। जांच एजेंसी को अनेक सवालों के जवाब देने होंगे। 2008 में चौदह वर्षीय आरुषि और नौकर हेमराज की हत्या की गई थी। दो दिनों तक पुलिस ने घटनास्थल को सील नहीं किया। मीडिया और आस-पड़ोस के लोगों समेत हर कोई वहां तक मटरगश्ती अंदाज में आ-जा रहा था। फोटो ले रहा था, सबूत लेने के नाम पर महत्त्वपूर्ण वस्तुओं को छेड़-छू कर लौट रहा था। यह सब दो दिनों तक चलता रहा। तब तत्कालीन उपाधीक्षक केके गौतम घटना स्थल पर पहुंचे और पुलिस से छत की ओर जाने वाली खून की लकीर की पीछा करने को कहा। पुलिस खून की लकीर का पीछा करते हुए ऊपर पहुंची तो वहां हेमराज का शव पड़ा पाया। पुलिस के खोजी कुत्ते घटनास्थल पर नहीं लाए गए। उंगलियों के निशान नहीं उठाए गए। हेमराज का मोबाइल फोन जब्त नहीं किया गया। इन शुरुआती बातों पर ध्यान दिया गया होता तो उच्च न्यायालय को तलवार दंपति या अज्ञात हत्यारों को सबूत के अभाव में रिहा नहीं करना पड़ता।

जांच एजेंसियों द्वारा जुटाए गए सबूतों के आधार पर मामला बिना शक साबित हो गया होता। पुलिस जांच में पता चला कि नौ वर्ष बाद (मीडिया ट्रायल समेत) भी तय यह है कि घटना के दिन मकान में जबरन प्रवेश की बात सामने नहीं आई। मरने वालों के साथ अंतिम बार तलवार दंपति ही थे। लेकिन हत्याओं के पीछे के कारणों को लेकर अनेक प्रश्न अनुत्तरित हैं। किसने गोल्फ स्टिक को धोया और छिपाया। आरुषि और हेमराज की बर्बर हत्या के बाद किसने स्कॉच पी और किसने आरुषि के सिर पर चोट पहुंचाई और सर्जिकल ब्लेड (जिसे पुलिस बरामद नहीं कर सकी) से गला काट डाला। पुलिस ने कहा कि आरुषि और हेमराज के आपत्तिजनक स्थिति में देख गुस्साए राजेश तलवार ने गोल्फ स्टिक से आरुषि और हेमराज पर हमला कर दिया। आरुषि का गला काट डाला। इससे भौंचक तलवार दंपति ने जोरदार विरोधकिया। तब उत्तर प्रदेश की तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती ने यह मामला सीबीआईको सौंप दिया। सीबाआईकी पहली टीम ने अरुण कुमार के नेतृत्व में कंपाउंडर कृष्ण और रामकुमार और विजय मंडल नाम के दो पड़ोसी नौकरों पर शक जताया। उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया। लेकिन सबूत के अभाव में आरोप पत्र दायर नहीं कर सकी और उन्हें छोड़ना पड़ा। जांचकर्ताओं की दूसरी टीम ने शक की सुई को तलवार दंपति की तरफ मोड़ते हुए सीबीआईकोर्ट में सबूतों के अभाव कहते हुए क्लोजर रिपोर्ट पेश कर दी। बहरहाल, शुरू से लग रहा था कि कोई तो है, जो सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर रहा था। अब इलाहाबाद उच्च न्यायालय को तलवार दंपति को महज इसलिए रिहा करना पड़ा है कि मामला सबूतों के अभाव में साबित नहीं हो सका।

आरुषि को नौ वर्ष बाद भी न्याय नहीं मिल पाया है। जांच में लापरवाही या उच्च पदासीनों के चलते जांच आधी-अधूरी रह गई।

चलते चलते

वायु प्रदूषण

एक पल को ग्रह मान भी लें कि दीपावली पर पटाखे छोड़ना एक परम्परा का हिस्सा है तो जो परम्परा हमारे सेहत पर भरी पड़ने लगे उससे किनारा कर लेना चाहिए। रोशनी और स्वच्छता के इस पर्व को शोरगुल मुक्त करने के लिए शीर्ष अदालत के फैसले।

पर्व कब पटाखे के शोर वाले पर्व में तब्दील हो गया, इसका अंदाजा प्रदूषण के खतरनाक स्तर पर बढ़ने के बाद चला। पटाखों से होने वाले ध्वनि और वायु प्रदूषण के चलते देश की शीर्ष अदालत ने दिल्ली-आसपास के इलाकों में 1 नवम्बर तक पटाखों की बिक्री पर रोक लगाने का फैसला किया है। अदालत यह देखना चाहती है कि दीपावली के आसपास पटाखों पर रोक से प्रदूषण के स्तर में कितनी गिरावट आती है? देखा गया है कि दीपावली के बाद वायु और ध्वनि का प्रदूषण खतरनाक स्तर तक बढ़ जाता है। पिछले साल दीपावली के दूसरे दिन पर्यावरण की स्थिति कितनी भयावह थी, यह किसी से छुपा नहीं है। पर्यावरण को लेकर हम कितने संजीदा हैं, यह भी जगजाहिर है। यही वजह है कि शीर्ष अदालत के निर्णय पर अमल करने के बजाय फैसले को लेकर तमाम तरह के तर्क-कुतर्क की बाढ़ सी आ गई है। यहां तक कि पटाखे छोड़ने को आस्था से जोड़ दिया गया। और स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर की चंचा कहीं पीछे छूटती दिखाई पड़ी। सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को हवा दी जा रही है। बकरीद की कुरबानी और ''लाउडस्पीकरों' के आड़ लेने के प्रयास किए जा रहे हैं। शुद्ध आबोहवा की दरकार किसे नहीं है। लेकिन लगता है पर्यावरण को सुधारने या उसके प्रति गंभीर रहने का ठेका कुछ ही लोगों का है। जबकि यह हर देशवासी का कर्त्तव्य होना चाहिए।

और इस फैसल को बिक्री से बढ़ाकर पटाखे ना छोड़ने की मुहिम में तब्दील करते दिखना चाहिए था, लेकिन हम फिजूल की बहस कर रहे हैं। अगर एक पल को यह मान भी लें कि दीपावली पर पटाखे छोड़ना एक परम्परा का हिस्सा है तो जो परम्परा हमारे सेहत पर भरी पड़ने लगे उससे किनारा कर लेना चाहिए। रोशनी और स्वच्छता के इस पर्व को शोरगुल मुक्त करने के लिए शीर्ष अदालत के फैसले को देश भर में लागू जाने के लिए प्रयास करना चाहिए। बेहतर होगा कि पटाखों की ऑनलाइन बिक्री पर भी नजर रखी जाए।

जहां तक पटाखा व्यापारियों और उद्योग का सवाल है इस पर सरकार को न्यायसंगत रुख अपनाने की दरकार है। ऐसे समय में जब दुनिया में पर्यावरण को लेकर जबरदस्त मुहिम चल रही है, ''वसुधैव कुटुम्बकम' का विचार रखने वाले समाज को आगे बढ़कर खुशी-खुशी इसका नेतृत्व चाहिए।

मुद्दा

चुनाव की रणभेरी बज

प्रदेश में चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। चुनाव की घोषणा के साथ ही पिछले कुछ महीनों से जनता के बीच ताल ठोक रही बीजेपी और कांग्रेस अब अपनी अपनी चुनावी बिसात बिछाने में जुट गई है। एक तरफ जहां चुनाव की प्रभावी और असरदार रणनीति पर काम हो रहा है तो वहीं जिताऊ उम्मीदवारों के नामों पर गहन चंचा हो रही है। नामांकन का काम 16 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। लिहाजा सियासी गहमागहमी चरम पर है। हालांकि कांग्रेस और बीजेपी दोनों की ही शुरुआती चुनौती अपने अपने उम्मीदवार फाइनल करने को लेकर है। प्रदेश में इस बार ''न्यू हिमाचल विद न्यू विजन' की बयार है। बड़ा सवाल ये है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस तरह ''न्यू इंडिया' के निर्माण में दिन-रात एक किए हुए हैं, क्या उसी तर्ज पर ''न्यू हिमाचल' का निर्माण भी होगा। बीजेपी और कांग्रेस के पास क्या इस पहाड़ी राज्य को विकास की राह पर आगे ले जाने का रोडमैप तैयार है। हिमाचल में पिछले पांच साल से कांग्रेस का राज है। लिहाजा सत्ता विरोधी लहर का सबसे ज्यादा खतरा उसे ही है। वहीं केंद्र की मोदी सरकार और अमित शाह का दावा है कि पिछले तीन सालों में जनता के कल्याण के लिए 106 योजनाएं लॉन्च कीं। लेकिन इन योजनाओं का लाभ हिमाचल की जनता तक कितना पहुंचा इसके आकलन का कोई पैमाना नहीं है। इस कारण दोनों ही पार्टियों पर जन सरोकार से जुड़े चुनावी मुद्दे उठाने और उन्हें अपने-अपने घोषणा-पत्र में प्राथमिकता देने का दबाव है। हिमाचल विधान सभा चुनाव में इस बार भी सबसे संवेदनशील मुद्दा युवा सरोकार ही है। प्रदेश में 29.5 प्रतिशत युवा मतदाता हैं। इनमें से 40,567 युवा पहली बार अपने वोट का इस्तेमाल करेंगे। 2.5 लाख नौजवान ऐसे हैं, जिनकी आयु 18-19 साल की है, जबकि 20-29 आयु वर्ग के युवा मतदाताओं की संख्या 12.3 लाख है। वहीं, प्रदेश के मेधावी युवाओं को बेहतर शिक्षा और नौकरी के लिए आज भी पंजाब, हरियाणा और दिल्ली का रु ख करना पड़ता है। औद्योगिक नगर नालागढ़, बद्दी और बरोटीवाला को छोड़ दें तो प्रदेश के बाकी जिलों में उद्योग धंधे ना के बराबर हैं। प्रदेश व केंद्र सरकार ने कौशल विकास भत्ता समेत बेरोजगारी भत्ता और अन्य योजनाओं से युवाओं के लिएरोजगार सृजन के कई प्रयास किए हैं। प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों, ''न्यू इंडिया' और विशेष औद्योगिक पैकेज से भी रोजगार के हालात नहीं सुधरे हैं। आईआईटी, आईआईआईटी और एम्स की सौगात प्रदेश की जनता को मिली है। मगर बेरोजगारों की बढ़ती भीड़ के आगे सब कुछ ''ऊंट के मुंह में जीरे' समान साबित हो रहा है। प्रदेश में पहली बार महिला सुरक्षा बड़ा सियासी मुद्दा बन गया है। इस पूरे मसले को जिस गैर जिम्मेदाराना-गैर पेशेवर तरीके से वीरभद्र सिंह सरकार और पुलिस ने डील किया, उससे महिलाओं का एक बड़ा तबका सरकार से बेहद नाराज है। राज्य में महिला मतदाताओं की संख्या 49 फीसद है। 2017 में हुए एक एजेंसी के सर्वे में हिमाचल को पूरे देश में सबसे कम भ्रष्ट राज्य के खिताब से नवाजा गया है। किंतु विडम्बना ये है कि सूबे के सीएम वीरभद्र सिंह, उनकी पत्नी प्रतिभा सिंह, बेटा और बेटी सब आय से ज्यादा संपत्ति के मामले में बुरी तरह फंसे हैं। कानूनी पचड़ों से घिरे वीरभद्र सिंह बीजेपी के लिए फायदे का सौदा है। लिहाजा अब ये साफहै कि चुनाव में बीजेपी राजनीतिक शुचिता के साथ ही भ्रष्टाचार मुक्त हिमाचल का नारा आक्रामकता के साथ बुलंद करेगी। हिमाचल में नोटबंदी और जीएसटी के मुद्दे पर राज्यव्यापी आक्रोश को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मोदी सरकार की इस आर्थिक सर्जिकल स्ट्राइक को सूबे की जनता भूली नहीं है। चुनावी मुद्दा बनाने का खुलेआम ऐलान कर दिया। हिमाचल में 90 फीसद जनता आज भी गांवों में रहती है। पिछले दस-पंद्रह सालों में दूरदराज के गांवों में सड़कों का जाल बिछा है। बहरहाल इन तमाम मुद्दों पर प्रदेश की जनता 9 नवम्बर को निर्णायक फैसला देगी और नया जनादेश 18 दिसम्बर को सार्वजनिक होगा।

विसंगति की समाप्ति

आभा स्वामी

सुप्रीम कोर्ट ने दूरगामी महत्व का फैसला दिया है। इससे बच्चों को यौन अपराधों से बचाने का कानून अधिक सुसंगत बनेगा। साथ ही बाल विवाह के प्रचलन के कारण समाज में जारी विसंगति पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। यौन अपराधों से बाल संरक्षण अधिनियम-2012 (पॉस्को) के तहत 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की के साथ यौन संबंध बनाना संगीन जुर्म है। लेकिन यदि वह लड़की विवाहित हो और 15 साल की हो चुकी हो, तो उसके पति को उसके साथ ऐसा रिश्ता बनाने की छूट मिल जाती थी। यह एक अवांछित विसंगति थी। अगर 18 साल की आयु तक कोई लड़की यौन संबंध की सहमति देने योग्य नहीं मानी जाती, तो फिर उसके विवाहित हो जाने से भी इस हकीकत पर कोई फर्क नहीं पड़ता। इसी तरह भारत में विवाह की वैधानिक उम्र लड़कों के लिए 21 साल और लड़कियों के लिए 18 साल है। दुर्भाग्यपूर्ण यथार्थ यह है कि इस कानून का खूब उल्लंघन होता है। लेकिन अब 18 साल से छोटी किसी भी लड़की से यौन संबंध बनाना दुष्कर्म माना जाएगा, भले ही वो युवती पत्नी ही क्यों न हो। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले का अर्थ है कि बाल विवाह के खिलाफ पहले से मौजूद प्रावधानों के अलावा एक और कठोर प्रावधान अस्तित्व में आ गया है। अब यह कानून लागू करने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी है कि वे इन प्रावधानों पर सख्ती से अमल सुनिश्चित कराएं। वैसे अनुभव यही है कि सामाजिक परंपरा और आम संस्कृति से जुड़े मामलों में कानून या न्यायिक निर्णय पूर्ण प्रभावशाली नहीं हो पाते। खासकर महिलाओं की सामाजिक हैसियत सुधारने से संबंधित वैधानिक प्रावधान भारतीय समाज में अपने उद्देश्य को अब तक पूरी तरह प्राप्त नहीं कर पाए हैं। बाल विवाह और दहेज प्रथा का जारी रहना इस बात की मिसाल है। प्रधान न्यायाधीशजस्टिस दीपक मिश्र की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस तथ्य का जिक्र किया कि आजादी के 70 साल बाद भी बाल विवाह सामाजिक यथार्थ बने हुए हैं। ऐसा क्यों है, इस पर पूरे समाज को आत्म-मंथन करना चाहिए। दरअसल, असली चुनौती सामाजिक मानसिकता को बदलने की है। इसके लिए समाज सुधार और जन-जागरूकता के व्यापक आंदोलनों की आवश्यकता है। अफ्सोस की बात यह है कि आजादी के बाद समाज सुधार के महत्व को भुला दिया गया। उधर, भारतीय दंड संहिता की (दुष्कर्म विरोधी) धारा 375 में 15 साल से ऊपर की विवाहिताओं से पति द्वारा यौन संबंध बनाने की छूट बरकरार रखी गई। सुप्रीम कोर्ट ने उचित ही इस मामले में कानून निर्माताओं के विवेक पर सवाल खड़ा किया। सरकार के निर्णयों पर न्यायालय द्वारा की गई समीक्षा से सही निर्णय पर पहुंचा जा सकता है, जैसा सुप्रीम कोर्ट ने 2जी स्पेक्ट्रम के निर्णय में किया था। सरकार ने कानून में संशोधन करके अफ्सरों को ट्रिब्यूनल का प्रमुख बनाने का रास्ता खोल दिया है। मनचाहे अफ्सर को नियुक्त करके सरकार ट्रिब्यूनल द्वारा सरकार के निर्णयों की समीक्षा पर रोक लगाना चाहती है, जो दीर्घकाल में सरकार के लिए ही हानिप्रद होगा जैसा नॉर्वेजियन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स ने कहा भी है। वर्तमान सरकार ने व्यवस्था बनाई है कि अब मौद्रिक नीति समिति यानी एमपीसी द्वारा मुद्रा नीति निर्धारित की जाएगी। इसमें तीन सदस्य रिजर्व बैंक के अधिकारी होंगे और तीन सदस्य सरकार द्वारा नामित होंगे। ब्रिक्सि इंस्टीट्यूशन द्वारा कहा गया, यह व्यवस्था देश के दीर्घकालीन विकास के लिए ठीक नहीं है। नरेंद्र मोदी पर देश को भरोसा है। इस भरोसे को फ लीभूत करने के लिए सरकार को हर नागरिक और प्रत्येक स्वायत्त संस्था को मित्र की दृष्टि से देखना होगा, अन्यथा इंदिरा गांधी की तरह यह सरकार भी देश को दीर्घकालीन विकास की पटरी पर नहीं ला सकेगी।

यूपी-टीईटी : पकड़े गए कई मुन्नाभाई, कुछ परीक्षार्थी हुए कॉपी लेकर फरार

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी-टीईटी) 2017 के दौरान आठ अभ्यर्थी दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते पकड़े गए। इनके अलावा चार अभ्यर्थी ऐसे हैं जो परीक्षा देने के बाद ओएमआर उत्तर पत्रक लेकर भाग गए। भदोही में एक महिला हाथ में इलेक्ट्रानिक डिवाइस व चिप के साथ पकड़ी गई। सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय से मिली सूचना के मुताबिक एसटीएफ की सूचना पर इलाहाबाद में ईश्वर शरण इंटर कॉलेज से ममता यादव के स्थान पर खुशबू यादव परीक्षा देते पकड़ी गई। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज से जालिम सिंह यादव पुत्र राम अवध यादव के स्थान पर अशोक कुमार यादव पुत्र भगवती प्रसाद को पकड़ा गया।

डीएवी इंटर कॉलेज मीरापुर से अनुक्रमांक 3511710237 के स्थान पर अन्य अभ्यर्थी परीक्षा देते पकड़ा गया। बागपत के जैन इंटर कॉलेज खेकड़ा से एसटीएफ की सूचना पर राघव प्रताप सिंह पुत्र बाबू सिंह के स्थान पर सहनवाज पुत्र जाखीर परीक्षा देते पकड़ा गया। इसी केंद्र से संजीव कुमार पुत्र खचेडू सिंह के स्थान पर विनय कुमार पुत्र हरखीर सिंह परीक्षा देते पकड़ा गया। बागपत में ही जनता वैदिक इंटर कॉलेज बड़ौत से आनन्द राठी पुत्र राजेन्द्र राठी के स्थान पर फर्जी तरीके से रवीन्द्र कुमार परीक्षा देते पकड़ा गया। लखनऊ में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सिंगारनगर से पूनम सिंह के स्थान पर अर्पिता पांडेय पुत्री संजय पांडेय परीक्षा देते पकड़ी गई। 2.30 से 5 बजे की दूसरी पाली में सहारनपुर के इंडस्टियल मुस्लिम गर्लस इंटर कॉलेज से एसटीएफ ने प्रवीण कुमार पुत्र इलम चन्द्र के स्थान पर संदीप कुमार पुत्र बल्जोर सिंह को परीक्षा देते पकड़ा। इसके अलावा प्राथमिक स्तर की परीक्षा के दौरान अमरोहा के राजकीय डिग्री कॉलेज गजरौला में सर्वेश कुमारी एवं नवीता कुमारी ओएमआर उत्तर पत्रक की दोनों कार्बन कॉपी ले गईं। सुबह की पाली में ही औरैया के वैदिक इंटर कॉलेज दिबियापुर से जितेन्द्र कुमार ओएमआर की दोनों कार्बन कॉपी लेकर चला गया। लखनऊ के राजकीय इंटर कॉलेज हुसैनाबाद से कुंवर दीपक सिंह पुत्र देव नाथ सिंह ओएमआर की दोनों कार्बन कॉपी ले गया। भदोही के काशी नरेश महाविद्यालय ज्ञानपुर से प्रमिला दुबे (अनुक्रमांक 4810200901) हाथ में इलेक्ट्रानिक डिवाइस चिप के साथ पकड़ी गई। उच्च प्राथमिक स्तर की परीक्षा के दौरान गौतमबुद्धनगर में एक अभ्यर्थी मोबाइल के साथ पकड़ा गया जबकि आजमगढ़ में श्री दुर्गाजी स्नातकोत्तर महाविद्यालय चंडेश्वर से एसडीएम ने एक अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा।

प्राथमिक में 80% व उच्च प्राथमिक में 87% ने दी टीईटी

इलाहाबाद। प्राथमिक स्तर की टीईटी के लिए 570 एवं उच्च प्राथमिक स्तर के लिए 1064 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर के लिए क्रमशः 349192 एवं 627568 कुल 976760 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए थे। सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी डॉ. सुत्ता सिंह ने बताया कि जिला विद्यालय निरीक्षकों से मिली सूचना के अनुसार प्राथमिक स्तर में लगभग 80.5 प्रतिशत तथा उच्च प्राथमिक स्तर में लगभग 8 6.74 प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित हुए।

सुमित एनकाउंटर: तेरहवीं पर चिरचिटा में उमड़ा जनसैलाब

बागपत। सिंघावली थाना क्षेत्र के चिरचिटा गांव के सुमित के तेरहवी पर सोमवार को उनके गांव में भारी जन सैलाब उमड़ा। हर किसी ने श्रद्धांजलि दी। तेरहवीं कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के अलावा आसपास के प्रदेशों के भी नेता व अन्य लोगों ने भागीदारी की। इस मौके पर महापंचायत भी आयोजित की गई। महापंचायत में हर किसी ने मामले की सीबीआई जांच की मांग की। याद दिला दें कि चिरचिटा गांव निवासी सुमित गुर्जर को नोएडा पुलिस ने बीती 3 अक्टूबर को नोएडा में ही एनकाउंटर में मारने का दावा किया था। जिसके विरोध में गुस्साए लोगों ने शव को लेने से न सिर्फ इनकार कर दिया था। बाद में शव को गांव में लाकर 3 दिन तक अंतिम संस्कार नहीं किया गया था। ग्रामीण मामले की सीबीआई जांच की मांग पर अड़े हुए थे।

मेरठ: लाठीचार्ज से वकीलों में उबाल, आज हड़ताल पर

मेरठ। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी का विरोध कर रहे वकीलों में लाठीचार्ज के बाद से जबरदस्त उबाल है। मेरठ में वकीलों ने सोमवार को हड़ताल रखने का ऐलान किया है। वकीलों ने पुलिस अफसरों पर एफआईआर कर निलंबन की मांग की है। वकील सोमवार को चौराहे पर लाठीचार्ज की वीडियो प्रोजेक्टर पर दिखाएंगे। रविवार को केंद्रीय संघर्ष समिति की आपात बैठक नानकचंद सभागार में हुई। इसमें पदाधिकारी और वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हुए। वकीलों ने कहा कि जेलचुंगी चौराहे पर अधिवक्ताओं पर पुलिस ने लाठियां भांजी और वकीलों को पीटा। बुजुर्ग और महिला अधिवक्ताओं को भी नहीं बख्शा गया। पूर्व बार अध्यक्ष एमपी शर्मा, विनोद राणा और सचिन मोहन को पुलिस जीप में बैठाने की निंदा की गई। बैठक में वकीलों ने निर्णय लिया कि टीवी चैनलों और सोशल मीडिया पर चल रही लाठीचार्ज की वीडियो सोमवार को प्रोजेक्टर पर दिखाई जाएंगी। लाठीचार्ज की निंदा करते हुए सोमवार को मेरठ में हड़ताल रखने का निर्णय लिया गया। पूरे घटनाक्रम की सीबीआई से जांच कराने की भी मांग की गई है।

जनरल बॉडी की बैठक बुलाई

केंद्रीय संघर्ष समिति के चेयरमैन एवं मेरठ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रोहिताश्व कुमार अग्रवाल ने कहा कि लाठीचार्ज से वकीलों में पुलिस के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश है।

सोमवार को बार एसोसिएशन की जनरल बॉडी की बैठक बुलाई गई है।

न्यायिक जांच कराने की मांग

ऑल इंडिया लायर्स यूनियन ने वकीलों पर लाठीचार्ज की निंदा की है। महामंत्री ब्रजवीर सिंह ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की न्यायिक जांच कराई जाए।

यूपी: नागर विमानन प्रोत्साहन नीति-2017 लागू, विमान सेवा से जुड़ेंगे प्रमुख शहर

लखनऊ। प्रदेश के प्रमुख शहरों और पर्यटन स्थलों को विमान सेवा से जोड़ने की दिशा में अब तेजी आएगी। प्रदेश में नागर विमानन प्रोत्साहन नीति-2017 बनाने के साथ ही लागू कर दी गई है। इस नीति के बन जाने से राज्य के वे हवाई अड्डे और हवाई पट्टियां जहां से विमान सेवाएं नहीं हैं, वहां से विमान सेवा शुरू की जा सकेंगी।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया है कि प्रदेश सरकार नागर विमानन के क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देगी। केंद्र और राज्य सरकार के प्रोत्साहन और सहयोग से इसे पूरा किया जाएगा। नीति बनाने के साथ ही रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरएससी) शुरू की गई है। इसके तहत केंद्र सरकार, राज्य सरकार और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के बीच करार पर हस्ताक्षर हो चुका है।

प्रवक्ता ने बताया है कि इस नीति के तहत प्रदेश में नागर विमानन के क्षेत्र में अनुकूल कारोबारी वातावरण बनाया जाएगा। मजबूत नागर विमानन इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए पर्याप्त प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस क्षेत्र में निवेश को आकर्षित किया जाएगा।

रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के तहत नए एयर रूट का विकास करके एयर कनेक्टिविटी को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत देश के बाकी हिस्सों से राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों को जोड़ने की योजना पर काम किया जा रहा है। इससे व्यापार और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। एयर कागी हब के विकास को प्रोत्साहन देकर प्रदेश में कृषि निर्यात, विनिर्माण और ई-कॉमर्स कारोबार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

महाराजगंज के 4 युवक जिंदा जले, फैक्ट्री में आग लगने से हुआ हादसा

महराजगंज। सउदी अरब की राजधानी रियाद में रविवार को फर्नीचर कंपनी में आग लगने से मरे 11 लोगों में से चार महराजगंज के हैं। परिजनों को हादसे की जानकारी सोमवार सुबह हुई। इनमें नौतनवा क्षेत्र के तीन युवक एक ही परिवार के हैं। चौथा घुघली के करमही गांव का है। नौतनवा क्षेत्र के बैरवा चंदनपुर निवासी रहमतुल्लाह व जाकिर हुसैन अपने बड़े पिता के लड़के बसीर अहमद के साथ रियाद की अजिजिया फर्नीचर कंपनी में काम करते थे।

यूपी: राम मंदिर के लिए फिर अयोध्या पहुंची पत्थरों की खेप

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण के लिए पत्थरों को तराशने के लिए राजस्थान से अयोध्या लाए जाने का क्रम बरकरार है। इसी कड़ी में रविवार को भी दो ट्रक पत्थर यहां लाए गए। इससे पहले शनिवार को भी एक ट्रक पत्थर राजस्थान के भरतपुर से चलकर यहां पहुंचा। इन पत्थरों को रामसेवकपुरम के स्टोर में व्यवस्थित कराया जा रहा है।

विहिप के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने बताया कि सितम्बर माह से लेकर आधे अक्टूबर तक कुल 27 ट्रक पत्थरों को लाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि पत्थरों के आवक का क्रम अब लगातार जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि बीते वर्षों में सरकारी व्यवधान के कारण पत्थरों की आवक रुक गई थी। जीएसटी लागू होने के बाद समस्या दूर हो गई है। इसके अलावा खदानों में भरा पानी भी अब सूख गया है जिससे कि पत्थरों के निकासी में होने वाली दिक्कत भी दूर हो गई।

उन्होंने बताया कि 25 नवम्बर से उडप्पी में आयोजित धर्मसंसद के बाद संतों के निर्णयानुसार मंदिर निर्माण की कार्यशाला में मजदूरों की संख्या बढ़ाकर पत्थरों की तराशी का कार्य तेज किया जाएगा। फिलहाल रामघाट स्थित एक कार्यशाला आधे दर्जन मजदूरों के साथ संचालित हो रही है। इससे पहले रविवार को ट्रक संख्या आरजे 05 जीए/3611 व आरजे 05 जीए 6674 से क्रमशः 33 टन पांच सौ किग्रा. व 30 टन 200 किग्रा. पत्थर यहां लाए गए। इन पत्थरों को रामसेवकपुरम के स्टोर में व्यवस्थित कराया जा रहा है। विहिप के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने बताया कि सितम्बर माह से लेकर आधे अक्टूबर तक कुल 27 ट्रक पत्थरों को लाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि पत्थरों के आवक का क्रम अब लगातार जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि बीते वर्षों में सरकारी व्यवधान के कारण पत्थरों की आवक रुक गई थी। जीएसटी लागू होने के बाद समस्या दूर हो गई है। जिससे कि पत्थरों के निकासी में होने वाली दिक्कत भी दूर हो गई।

बिहार

सारण में गंडक नदी में डूबी नाव, छह लोग लापता

सारण। सारण जिले के पानापुर थाना क्षेत्र के सरौजा -भगवानपुर गांव के सामने सोमवार की सुबह गंडक नदी में अनियंत्रित होने से नाव डूब गयी। नाव पर सवार 12 लोगों में से छह लापता हो गये और छह लोग तैर कर सुरक्षित निकल गये । स्थानीय गांवों के ये किसान व मजदूर नाव पर सवार होकर खरही काटने दियारे के पार जा रहे थे। जो लोग लापता हैं, उनमें सरौजा भगवानपुर गांव के शिवजी राउत, पृथ्वीपुर के मुकेश राय व फतेहपुर गांव के सुरेन्द्र ठाकुर, गोविन्द राय, राजेश शर्मा और रामदेव महतो शामिल हैं।

नाव डूबने के बाद तैर कर नदी से निकलने वालों में सरौजा भगवानपुर के मोतिलाल राउत, फुलकुमारी देवी, फतेहपुर गांव के अनिल महतो, शिवजी महतो, साधु ठाकुर व अर्जुन कुमार हैं। इनलोगों ने बताया कि रोज की तरह वे लोग करीब साढ़े आठ बजे सुबह नाव से खरही काटने दियारे के पार जा रहे थे। नाव अभी करीब 50 मीटर ही आगे बढ़ी थी कि चकोह में पड़ कर ज्यादा गड्ढे होने की वजह से अनियंत्रित हो कर पलट गयी। नाव हादसे से बच कर निकली सरौजा भगवानपुर निवासी फुलकुमारी देवी ने बिलखते हुए बताया कि उसके पति शिवजी राउत भी उसके साथ थे, जिन्हें नदी की धार निगल गयी।

घटना की सूचना पाकर मढ़ौरा एसडीओ संजय कुमार राय, डीएसपी अशोक कुमार सिंह, थानाध्यक्ष सुजीत दास पुलिस बल के साथ पहुंचे। अफसरों ने गोताखारों को बुलाया और नाव के सहारे नदी में जाल डालकर लापता लोगों की तलाश शुरू कर दी। लेकिन समाचार लिखे जाने तक कोई सफलता नहीं मिली थी।

लापता लोगों के परिजन चीख-चीत्कार कर रहे हैं। सरौजा -भगवानपुर घाट पर सैकड़ों लोगों की भीड़ लगी थी। इनमें पंचायत प्रतिनिधियों व अफसरों के अलावा आम लोग भी शामिल हैं। पटना जिले के बिहटा से लापता लोगों की तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीम मंगायी गयी है। नाव डूबने के बाद तैर कर नदी से निकलने वालों में सरौजा भगवानपुर के मोतिलाल राउत, फुलकुमारी देवी, फतेहपुर गांव के अनिल महतो, शिवजी महतो, साधु ठाकुर व अर्जुन कुमार हैं।

प्रेम प्रसंग में युवक की चाकू मारकर हत्या, नाराज लोगों ने किया सड़क जाम

एकमा. बिहार के सारण जिले के एकमा थाना क्षेत्र के अलख नारायण सिंह उच्च विद्यालय के पास अपराधियों ने चाकू मारकर युवक की हत्या कर दी। मृत युवक एकमा थाना क्षेत्र का आफताब बताया जाता है। वह अपने मामा के घर हाई स्कूल के पीछे की बस्ती में रहता था। वह अपने मामा बिस्मिल्ला मियां के साथ रहता था। हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग का मामला सामने आया है। नाराज लोगों ने किया सड़क जाम...

आफताब की हत्या से नाराज लोगों ने एनएच 85 को एकमा हाई स्कूल के पास जाम कर दिया। आक्रोशित लोगों ने टायर जलाकर सड़क जाम किया जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों जाम लग गया। पुलिसकर्मियों के लाख समझाने के बावजूद भी लोगों ने जाम नहीं हटाया।

मोदी के सामने गिड़गिड़ाकर नीतीश ने अपनी इज्जत मिट्टी में मिला ली: लालू यादव

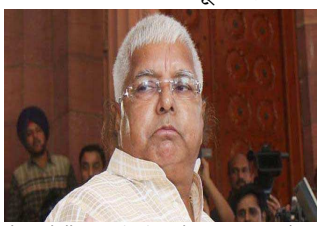

पटना. आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने सोमवार को नीतीश कुमार पर निशाना साधा। कहा, "नीतीश प्रधानमंत्री के सामने पटना विश्वविद्यालय को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा दिलाने के लिए हाथ जोड़कर गिड़गिड़ा रहे थे। नरेंद्र मोदी के सामने गिड़गिड़ाकर नीतीश ने अपनी पूरी इज्जत मिट्टी में मिला दी। नीतीश ने बिहार को बदनाम किया है। क्या मिला पीएम के सामने हाथ जोड़कर। मोदी ने पटना विश्वविद्यालय को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा नहीं दिया।"

सात जन्मों तक नहीं करूंगा माफ

लालू ने कहा, "बीजेपी जल्द ही नीतीश को धकियाने वाली है। जब नीतीश को बीजेपी हटा देगी और वह हमारे साथ आने की कोशिश करेंगे तो हम उन्हें रिजेक्ट कर देंगे। नीतीश को अब सात जन्मों तक माफ नहीं करूंगा, उन्हें साथ नहीं रखूंगा। अब नीतीश को फिर से मेरे पास एन्ट्री नहीं मिलेगी। नीतीश ने अपनी पहचान खो दी है।"

नीतीश ने मोदी से क्या अपील की थी

बता दें कि शनिवार को पटना विश्वविद्यालय का शताब्दी समारोह था। उस प्रोग्राम में नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए थे। मंच से स्पीच देते समय नीतीश ने पीएम से कहा था कि आपसे हाथ जोड़कर विनती है। बिहार के लोग आने वाले 100 साल तक आपको याद रखेंगे। इसके जवाब में नरेंद्र मोदी ने पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय यूनिवर्सिटी का दर्जा तो नहीं दिया, लेकिन देश के टॉप 10 सरकारी यूनिवर्सिटी में शामिल होने के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने का न्योता जरूर दिया। पीएम ने कहा कि केंद्र सरकार देश के टॉप 10 सरकारी और प्राइवेट यूनिवर्सिटी को वर्ल्ड लेवल का बनाने की योजना पर काम कर रही है।

नरेंद्र मोदी साहसी प्रधानमंत्री हैं: बिहार सीएम नीतीश कुमार

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि शासन का नेतृत्व करना, देश का नेतृत्व करना, आमजन का नेतृत्व करना कोई साधारण बात नहीं होती। शासन संचालन में सफल वही होते हैं जो फ्रंट से लीड करते हैं। नरेंद्र मोदी फ्रंट से लीड करते हैं और वे साहसी प्रधानमंत्री हैं। रवींद्र भवन में रविवार को मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीन साल के कार्यकाल पर उदय माहुरकर की लिखित किताब 'सवा अरब भारतीयों का सपना' किताब के लोकार्पण के मौके पर ये बातें कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विकास और लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह जरूरी है कि फ्रंट से लीड करना और सफलता तथा असफलता दोनों का श्रेय लेना।

उन्होंने कहा कि देश में सबसे लंबे समय तक राज करने वाली पार्टी कांग्रेस में तो यही रहा है कि सफलता का श्रेय किसी को मिलता है और असफलता का किसी और को। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब प्रधानमंत्री ने नोटबंदी का निर्णय किया तो वह अलग थे, लेकिन समर्थन किया और तब भी यही कहा था कि यह एक साहसिक निर्णय है। जीएसटी के पक्ष में हमलोग शुरू से थे। वैट एक आंशिक सुधार था, जबकि जीएसटी बड़ा सुधार है।

ठेकेदार की गोली मारकर हत्या, पुलिस से मांगी थी सुरक्षा

गया. बिहार के गया जिले के गुरारू के डीहा गांव में अपराधियों ने सोमवार को ठेकेदार रामाधार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या से नाराज लोगों ने घटनास्थल पर पहुंचे पुलिसकर्मियों को खदेड़ दिया। बताया जा रहा है कि रामाधार ने पहले पुलिस पदाधिकारियों से मिलकर सुरक्षा मांगी थी।

सब स्टेशन में करा रहे थे काम

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि रामाधार सिंह बिजली सब स्टेशन में कुछ काम करा रहे थे। इस दौरान बाइक से अपराधी पहुंचे और गोली मारकर फरार हो गए।पिछले महीने भी नक्सलियों ने लेवी की मांग को लेकर रामाधार के साइट पर तोड़फोड़ किया था।जिसके बाद रामाधार ने पुलिस पदाधिकारियों से मुलाकात कर साइट पर सुरक्षा देने की मांग की थी,लेकिन पुलिस की ओर से सुरक्षा मुहैया नहीं कराया गया था। इस दौरान बाइक से अपराधी पहुंचे और गोली मारकर फरार हो गए।पिछले महीने भी नक्सलियों ने लेवी की मांग को लेकर रामाधार के साइट पर तोड़फोड़ किया था।जिससे नाराज लोगों ने पुलिस पर पथराव भी कर दिया।

घरवालों के सामने किया लड़की को अगवा, भाई ने रोका तो फोड़ दिया सिर

समस्तीपुर.बिहार के समस्तीपुर जिले में सोमवार को दर्जनभर बाइक सवार अपराधियों ने माता-पिता और भाई के सामने एक लड़की को अगवा कर लिया। इस घटना से गुस्साए लोगों ने दो अपराधियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। बेटी को बचाने में जख्मी हो गए पिता...

पुलिस ने एफआईआर दर्ज कराने आये परिजन से सादे पेपर पर साइन करा लिया और सुबह आने को कहा। इससे आक्रोशित लोगों ने थाने का घेराव कर दिया। उग्र लोगों ने एनएच 28 को भी जाम कर दिया। घटना ताजपुर थाना क्षेत्र के रामापुर महेशपुर में रविवार देर रात की है। राजखंड गांव के हरेंद्र सिंह की 17 साल की बेटी मोनिका कुमारी को हथियारों से लैस दर्जनभर अपराधियों ने अगवा कर लिया। इस दौरान अपराधियों ने मोनिका के घरवालों से मारपीट की। अपराधी घर में घुस गए और सो रही मोनिका को घसीट कर बाहर निकाला और एक बाइक पर बिठा कर भागने लगे।

भाई का फोड़ दिया सिर

हरेंद्र ने एक अपराधी की देशी राइफल को हाथ से पकड़ लिया और छीना झपटी में गिर गया। अपराधी बंदूक छोड़ कर भागने लगे। बेटी को ले जाता देख मां ने विरोध किया तो उन्हें भी गहरी चोट आई। वहीं, लड़की के भाई ने बाइक से पीछा कर बहन को बचाने की कोशिश और एक अपराधी की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे गुस्साए अपराधी ने पिस्टल के बट से मारकर उसका सिर फोड़ दिया। लड़की और उसके घर के लोगों के चिल्लाने पर ग्रामीण जमा हो गए और दो अपराधियों को पकड़ लिया।

सूरत। दीक्षा का मुहुर्त लेने फरारी गाड़ी से रामपावन भूमि की तरफ जाते दीक्षार्थी व जैन समाज के लोग।

कामरेज के नई पारड़ी में जिला पंचायत प्रमुख ने किया प्राथमिक आरोग्य केंद्र का लोकार्पण

सूरत। हालही में कामरेज के नई पारडी में 94.10 करोड़ की लागत से से निर्मित प्राथमिक आरोग्य केंद्र का लोकार्पण सूरत जिला पंचायत प्रमुख सुरेशभाई पटेल के हाथों द्वारा किया गया। इस अवसर पर कामरेज के विधायक प्रफुल्लभाई पानसेरिया, जिला आरोग्य समिति के चेयरमैन जगुभाई पटेल, अतिरिक्त जिला आरोग्य अधिकारी डा. पीयूष शाह, कारोबारी समिति के अध्यक्ष भरतभाई पटेल, जिला मलेरिया अधिकारी चेतनाबेन देसाई उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक प्रफुल्ल पानसेरिया ने बताया कि राज्य सरकार आरोग्य सेवाओं को जनजन तक पहुंचाना चाहती है। इस अवसर पर कामरेज के विधायक प्रफुल्लभाई पानसेरिया, जिला आरोग्य समिति के चेयरमैन जगुभाई पटेल, अतिरिक्त जिला आरोग्य अधिकारी डा. पीयूष शाह, कारोबारी समिति के अध्यक्ष भरतभाई पटेल, जिला मलेरिया अधिकारी चेतनाबेन देसाई उपस्थित रहे। इस आरोग्य केंद्र के आरंभ हो जाने से पारड़ी सहित आसपास के ग्रामीण जनों को लाभ मिलेगा।

महिलाओं के लिए वरदान शाबित हो रही महिला हेल्पलाईन न.-181

सूरत। महिलाओं की सहायता के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई हेल्पलाईन न-181 आज महिलाओं की सभी छोटी-बड़ी समस्याओं का निराकरण कर उनकी सहायता कर रही है। सोमवार को शहर के भेस्तान में रहनेवाली महिला का महिला हेल्प लाईन न. 181 पर फोन आने पर कि उसके अपार्टमेंट के एसोसिएशन की तरफ से पानी का कनेक्शन काट दिया गया है। उसने हेल्पलाईन पर मदद की गुहार लगाई जिसपर उमरा पुलिस स्टेशन 181 अभयम महिला हेल्पलाईन की टीम ने मौके पर पहुंच कर अपार्टमेंट के कर्ताधर्ताओं से बातचीत कर। फरियादी महिला दर्शनाबेन ने बताया कि उनकी मालिकी वाली फ्लेट की कीमत 8 लाख रुपये है। जिसे पति के कर्ज में डूब जाने के चलते बेचने की नौबत आ गई है। परन्तु फलैट के कुछ कर्ताधर्ता कम कीमत में खरीदना चाहते हैं। इस फलैट की वाजिब कीमत बाहर का व्यक्ति देने को तैयार है परन्तु एसोसिएशन के लोग नहीं चाहते है कि इस फ्लैट को कोई दूसरा व्यक्ति खरीदे इसलिए इन लोगों में पानी का कनेक्श न काट दिया है। इसलिए मैने सहायता के 181 से मदद की गुहार लगाई है। 181 की टीम ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों को समझाबुझा कर महिला के फलैट में पानी की आपूर्ति शुरू करवाई। पुलिस की सहायता से दर्शनाबेन तथा उसके परिवार ने राहत की सांस ली।

वाज ओवरब्रिज पर शराब भरी कार पलटी, लोगो ने की शराब की लूट

सूरत, सचिन के पलसाना स्थित वांज ओवरब्रिज रोड पर अचानक शराब भरी कार पलट गई और चालक कार मोके पर छोड़कर फरार हो गए । वही हादसे के चलते मोके पर उपस्थित लोगो ने शराब व बीयर की बोतले लूट ली।पुलिस सूत्रों के अनुसार सचिन के पलसाना स्थित वांज ओवरब्रिज रोड पर रविवार की दोपहर अचानक तेज गति से गुजर रही शराब भरी कार अचानक पलट गई ।

हादसे के चलते चालक कार मोके पर छोड़कर फरार हो गए । वही कार पलट ने के चलते अंदर रखी शराब बाहर सड़क पर गिरने के चलते मौके पर उपस्थित लोगों ने शराब व बियर की बोतले लूट ली। मामले की सूचना मिलते ही सचिन पुलिस ने मौके पर पहुंच कर कार को जब्त कर थाने ले गई । हादसे के चलते सचिन थाने के एएसआई भरतभाई ने सरकार की ओर से फरियादी बनकर घोडदौड रोड के करिमाबाद सोसायटी स्थित मुनीरा अपार्टमेन्ट निवासी अमीन फिरोज भाई जीवनी तथा वेसु स्थित सुमन सागर अपार्टमेन्ट निवासी स्नेहा रामसिंग राजपूत सहित दोनो को वांछित घोषित किया है । वहीं पुलिस ने कार व शराब सहित 3 लाख 17 हजार का मुद्दामाल जब्त किया है ।

सूरत। फैशन डिजाइनिंग इस्टीट्यूट एसडीआरएस, पीपलोद की छात्राओं ने कालेज कैंपस में मनमोहक रंगोली बनाकर सोमवार को रोशनी का पर्व दीपोत्सव मनाई

सूरत। लायंस क्लब आफ सूरत क्रिस्टल एवं लायंस क्लब आफ सूरत सिल्क सिटी की ओर से सोमवार को दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं फैशन शो का आयोजन किया गया।

सूरत। परिवर्तन ट्रस्ट की ओर से सोमवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कांठा विस्तार में रहने लोगों के हितों के लिए आंदोलन करने वाले युवकों पर चल रहे मुकदमों को हटाने की मांग की

सूरत। हरेकृष्णा एक्सपोर्ट की तरफ रसे सोमवार को हेल्मेट रैली निकाल कर लोगों में ट्रेफिक नियमों के प्रति जागरुकता लाने की कोशिश की गई।

जहाँगीरपुरा में 5 हजार की लूट

सूरत। जहांगीरपुरा के सारोली ब्रिज स्थित विवेकानंद कोलेज के निकट कार में फियांशी के साथ बैठे युवक से बाइक सवार दो बदमाश डरा धमका कर 5 हजार की लूट कार फरार हो गए ।पुलिस सूत्रों के अनुसार जहांगीरपुरा के जय जलाराम सोसायटी निवासी रोमित राजेश भाई पटेल (21 वर्ष) नौकरी कर परिवार का गुजारा करता है । 15 अक्टूबर के रात में रोमित अपनी फियांशी यशस्वी पटेल के साथ जहांगीरपुरा के सारली ब्रिज के नीचे विवेकानंद कोलेज के सामने कार में बैठा था । इसी दौरान एक बाइक पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने पीड़ित को डरा धमका कर तू मुझे पहेचानता नही है । तेरे पास जो है वो मुझे दे दो वरना तुझे तथा तेरे साथ कि लड़की पिटाई कर देंगे बदमाशो की बातों से डरकर पीड़ित पर्स से पैसा निकाल ही रहा था उसी दौरान बदमाशो ने पीड़ित को धक्का मारकर 5 हजार की लूट कर फरार हो गए। हादसे के बाद पीड़ित की शिकायत पर जहांगीरपुरा पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है ।

''पूजा की थाली नहीं उठाने वाले मंदिर जाकर तिलक कर रहे हैं''

अंकलेश्वर। गुजरात में भाजपा की सरकार चल रही है। यहां विकास की गंगा बह रही है। उधर जिसने पूजा की थाली नहीं उठाई, वे मंदिर जाकर तिलक कर रहे हैं, यह कटाक्ष मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाजपा की गौरव यात्रा के अंकलेश्वर पहुंचने पर एक सभा को संबोधित करते हुए किया।कई नेता गौरवयात्रा से जुड़े ?

भाजपा की गौरव यात्रा अंकलेश्वर पहुंच चुकी है। इसमें अब तक राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी जुड़ चुके हैं। इसके अलावा इस यात्रा में केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला भी जुड़ चुके हैं।

और क्या कहा शिवराज ने

अंकेलश्वर में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यदि सरदार पटेल न होते, तो भारत एक नहीं हुआ होता।

नेहरू ने जम्मू-कश्मीर का मामला अपने पास

रखने के बजाए सरदार पटेल को दिया होता, तो यह मुद्दा आज इतना अधिक नहीं गरमाया होता।

क्या कहा पुरुषोत्तम रूपाला ने

कांग्रेसियों को विकास नहीं दिखाई दे रहा है, तो उन्हें नेत्र शिविर का आयोजन कर अपने मोतियाबिंद का ऑपरेशन करवाना चाहिए।

एशिया में पानी का सबसे बड़ा नेटवर्क गुजरात में है।

सरदार सरोवर के दरवाजों को लगाने के लिए नरेंद्र मोदी ने 10 साल तक केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ी है।

नर्मदा नहर में अलग अलग स्थानों पर दो युवक डूबे

सुरेन्द्रनगर (ईएमएस)। जिले के चूड़ा और दूधरेज से गुजरती नर्मदा नहर में डूबने से दो युवक डूब गए। जिसमें एक का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। स्थानीय पुलिस मामलों की जांच कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक सुरेन्द्रनगर जिले के चूडा के निकट बहनेवाली नर्मदा नहर में बलाला गांव निवासी लकूम महेन्द्रभाई अपने दोस्तों के साथ नहाने गया था। लकूम के अन्य दोस्त बाहर आ गए, परंतु लकूम के नहीं लौटने पर पुलिस को घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस, तहसीलदार समेत वढवाण फायर ब्रिगेड के काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया।

इस गांव के लोगों को पंचायत चुनाव में वोट देने का अधिकार नहीं

राजपीपला। नर्मदा जिले के नांदोद तहसील के नाना कुंवारपार गांव के लोगों को आजादी के समय से ही स्थानीय पंचायत चुनाव में वोट डालने का अधिकार नहीं है। दूसरी ओर वे लोकसभा-विधानसभा के चुनाव में वोट डाल सकते हैं। इसलिए लोगों ने इस बार विधानसभा चुनाव में वोट न डालने का निर्णय लिया है। प्रवेश द्वार पर लगाया बैनर?

इस गांव के लोग इस बात से परेशान हैं कि किसी को यदि जाति या आय प्रमाणपत्र की आवश्यकता होती है, तो ग्राम पंचायत वाले पालिका के पास भेज देते हैं, उधर पालिका वाले उन्हें ग्राम पंचायत भेज देते हैं। अपना काम करवाने के लिए लोग इन दो कार्यालयों के चक्कर ही लगाया करते हैं। इससे परेशान होकर लोगों ने चुनाव के बहिष्कार का निर्णय लिया है। इस आशय का एक बैनर गांव के प्रवेश द्वार पर लगा भी दिया गया है। इसके अनुसार गांव में चुनाव प्रचार के लिए कोई अधिकारी या नेता का प्रवेश वर्जित है। इस बैनर के कारण जिले की राजनीति गरमा गई है। गांव वाले इस बार निर्णायक मूड में दिखाई दे रहे हैं। गांव का विकास नहीं हो रहा है इस गांव की आबादी 700 है, जिसमें 400 से अधिक मतदाता हैं। वोट का अधिकार न होने के कारण गांव का विकास नहीं हो पा रहा है। गांव वालों ने जो बोर्ड लगाया है, उसके अनुसार विधानसभा चुनाव की घोषणा के सा ही यदि गांव का समावेश पंचायत में नहीं किया गया, तो चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा।

अब राजकोट से हेलिकॉप्टर में द्वारका-सोमनाथ की यात्रा संभव

राजकोट। टेलिकॉम क्षेत्र में गुजरात समेत पूरे देश में डंका बजाने वाली कंपनी पुजारा टेलिकॉम-हरिओम कम्युनिकेशन ने अब निजी एयर बस क्षेत्र में उड़ान भरी है। इसके पहले चरण में 6 सीटर हेलिकॉप्टर शुरू की गई है। इसके बाद चार्टर प्लेन खरीदने की योजना है। इसके लिए कुशल पायलट, केप्टन समेत अन्य स्टाफ की भर्ती कर ली गई है। इससे अब राजकोट से द्वारका-सोमनाथ की यात्रा की जा सकती है। सभी आवश्यक मंजूरी प्राप्त ?

दीवाली के समय लोगों के लिए चार्टर हेलिकॉप्टर सेवा का प्रारंभ मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के हाथों होगा। पुजारा टेलिकॉम के एम.डी. योगेश भाई पुजारा और उनके बेटे राहिलभाई पुजारा को उनके इस प्रयास को सभी आवश्यक मंजूरी प्राप्त हो चुकी है।

चार्टर हेलिकॉप्टर सर्विस के लिए हेलिकॉप्टर खरीद लिया गया है। प्रारंभ में राजकोट-सोमनाथ और राजकोट द्वारका रूट की सेवा शुरू की जाएगी। दोनों धार्मिक स्थलों पर निश्चित समय के लिए हेलिकॉप्टर रूकेगा। इसके बाद यदि उसे और रोका जाता है, तो उसका अलग से चार्ज लिया जाएगा। सीनियर सिटीजन के लिए विशेष रूप से कंसेशन रखा गया है।

चुनाव का असर : 22 दिन में 125 किलोमीटर सड़कों का पुनर्निर्माण

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव निकट देख भाजपा सरकार हरकत में आ गई है और लोगों की नाराजगी खत्म करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इसके अंतर्गत अहमदाबाद में केवल 22 दिनों के भीतर 125 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सड़कों का पुनर्निर्माण कर लोगों को रिझाने का काम किया है। भाजपा शासित अहमदाबाद महानगर पालिका के अब तक इतिहास में पहली बार सड़क काम में जबर्दस्त भ्रष्टाचार के चलते शहरभर में टूटी फूटी सड़कों को लेकर लोगों में जबर्दस्त आक्रोश है। इस मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने भी प्रशासन की कड़ी फटकार लगाई थी। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान 23 अक्टूबर तक शहर की सभी सड़कों चुस्त-दुरुस्त कर देने का भरोसा दिलाया था। बीते 22 दिनों के भीतर शहर की 125 किलोमीटर से लंबी सड़कों का पुनर्निर्माण कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक 123219 मीटर सड़क को रिसरफेस और 51109 मीटर सड़क को माइक्रोसरफेस समेत कुल 174328 मीटर सड़क का रिसरफेस और माइक्रोसरफेस कर लोगों को प्रभावित करने का भरपूर प्रयास किया है।

राहुल नहीं जानते टर्नओवर और लाभ में अंतर : शाह

अहमदाबाद (ईएमएस)। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने अपने बेटे जय शाह के जिन्स (कमोडिटी) कारोबार में कुछ भी गलत नहीं होने पर जोर देते हुए कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी की जमकर खिंचाई की। उन्होंने कहा कांग्रेस उपाध्यक्ष को टर्नओवर और शुद्ध लाभ का अंतर ही मालूम नहीं है। जय ने सी करोड़ रुपये का आपराधिक मानहानि का मुकदमा इसलिए ठोका है, क्योंकि वह वैध तरीके से कारोबार कर रहा है। इस

बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि राहुल गांधी क्या कहते हैं।

अमित शाह ने रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा जय शाह के खिलाफ लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा राहुल गांधी को टर्नओवर और प्राफिट का फर्क नहीं पता है। उल्लेखनीय है कि जय शाह पर कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि उनकी कंपनी को भाजपा के केंद्र में आने के बाद से अत्यधिक मुनाफा हुआ है। हालांकि इस दावे के उन्होंने कोई सुबूत नहीं दिए हैं। अमित शाह ने कहा हर किसी को अदालत में जाने का अधिकार है। जय ने जांच रिपोर्ट का इंतजार किए बगैर खुद ही अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्स सचीन रेल्वे स्टेशे के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तामीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com